रेल्वे वर्कर्स के राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा रेल मन्त्रालय को

☆ अल्टीमेटम ☆

१० अप्रैल १९७४ तक मांगें पूरी नहीं हुई तो आम हड़ताल होगी

संघर्ष की तैयारी के लिए रेल्वे वर्कर्स के विभिन्न संगठनों का संयुक्त मोर्चा बना

दिल्ली में २७ फरवरी १९७४ को रेलवे वर्कर्स का एक राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ जिसमें रेल्वे वर्कर्स के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन की यह विशेषता रही कि इसमें N. F. I. R. तथा उसकी सम्बन्धित यूनियनों के अलावा लगभग सभी यूनियनों तथा केटेगरीवाइज एसोसियेशनों ने भाग लिया और घोषणा की कि मान्यता प्राप्त तथा अमान्य संगठनों के आधार पर रेल्वे बोर्ड आइन्दा रेल्वे वर्कर्स में फूट नहीं डाल सकेगा, और सभी संगठन रेल्वे वर्कर्स की आम मांगों के लिए संयुक्त मोर्चा बनाकर संघर्ष करेंगे। मान्यता प्राप्त तथा अमान्य संगठनों के भेद-भाव को दूर रखकर अन्य संगठनों के साथ संयुक्त मोर्चे में शामिल होने के A.I.R.F. के निर्णय का अन्य सभी संगठनों ने स्वागत किया है। इस सम्मेलन को एक असाधारण तथा ऐतिहासिक सम्मेलन कहा जा सकता है जिसके द्वारा रेल्वे वर्कर्स के विभिन्न संगठनों को एक मंच पर लाने का कार्य ठीक मौके पर हुआ है।

इस सम्मेलन में भाग लेने वाले विभिन्न संगठनों में प्रमुख रूप से A. I. R. F. तथा उससे संबन्धित यूनियनें, महत्वपूर्ण केटेगरीज एसोसियेशन तथा विभिन्न रेलों पर कायम A. I. T. U. C. से सम्बन्धित यूनियनें थीं जिनका उल्लेख किया जा सकता है। विभिन्न केन्द्रीय मजदूर संगठनों—A. I. T. U. C., C. I. T. U., H. M. P., U. T. U. C. के नेताओं ने भी इस ऐतिहासिक सम्मेलन को सम्बोधित किया और रेल्वे वर्कर्स के विभिन्न संगठनों द्वारा रेल्वे वर्कर्स की आम मांगों की प्राप्ति के लिए संयुक्त मोर्चा कायम किये जाने का स्वागत किया तथा इस प्रयास में अपने संगठनों के सहयोग का आश्वासन दिया। A. I. T. U. C. की तरफ से जनरल सेक्रेटरी कामरेड डांगे ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए रेल्वे बोर्ड की गलत नीतियों की भर्त्सना की जिसके कारण रेलों को घाटा होता है और संयुक्त मोर्चे में A. I. T. U. C. तथा उससे सम्बन्धित यूनियनों के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

सम्मेलन ने रेल मन्त्रालय को अल्टीमेटम दिया है कि यदि निम्नलिखित मांगें १० अप्रेल १९७४ तक नहीं मानी जाती है तो उसके बाद किसी भी तारीख से रेल्वे वर्कर्स आम हड़ताल पर जाने के लिए स्वतन्त्र होंगे।

☆ मांगें ☆

(अ) समस्त रेल्वे वर्कर्स को औद्योगिक मजदूर मानकर उन्हें समझौता करने के हक समेत सम्पूर्ण ट्रेड यूनियन अधिकार दिये जायं।

(ब) किसी भी रेल्वे वर्कर से एक दिन में ८ घण्टे से अधिक काम न लिया जाय।

(स) समस्त रेल्वे वर्कर्स के कार्य का वैज्ञानिक ढंग से मूल्यांकन करके उनका पुनर्वर्गीकरण किया जाय और न्यूनतम वेतन पाने वाले मजदूर का वेतन आवश्यकता पर आधारित न्यूनतम वेतन के अनुसार निर्धारित करके ऊपर के ग्रेडों का उसी आधार पर पुनर्निधारण किया जाय।

(पन्ना उलटिए)

(द) मूल्यांकन तथा पुनर्वर्गीकरण होने तक अन्य पब्लिक सैक्टर के मजदूरों के बराबर रेल्वे वर्कर्स को वेतन दिया जाय जैसाकि HMT, BHEL, HSL, HEL आदि में मिलता है ।

२. जीवन यापन सूचक अंक के अनुसार बढ़ी हुई महंगाई के शत-प्रतिशत निष्क्रयकरण के आधार पर महंगाई भत्ता दिया जाय तथा प्रति ६ माह में ४ पोइन्ट अंक बढ़ने पर, महंगाई भत्ता बढ़ाया जाय ।

३. कम से एक महीने के वेतन के बराबर १९७१-७२ तथा १९७२-७३ के वर्षों का बोनस दिया जाय ।

४. केजुअल लेबर प्रथा समाप्त करके समस्त केजुअल लेबरों को स्थाई किया जाय तथा उन्हें रेल्वे वर्कर्स की तरह पूरे अधिकार दिये जायें ।

५. विभागीय दुकानों के जरिए खाद्य वस्तुएं तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं का सस्ती दरों पर वितरण किया जाय ।

६. समस्त दमनकारी कदम वापिस लिए जायें ।

सम्मेलन के निर्णयों को लागू करने के लिए तथा उक्त मांगों की प्राप्ति के लिए संघर्ष करने के लिए रेल्वे वर्कर्स के समस्त संगठनों की एक समन्वय समिति का निर्माण भी किया गया है जिसके संयोजक A. I. R. F. के अध्यक्ष होंगे । इस समिति का नाम "राष्ट्रीय रेल मजदूर संघर्ष समन्वय समिति" रक्खा गया है । सम्मेलन में भाग लेने वाले समस्त संगठनों से अनुरोध किया गया है कि वे प्रत्येक स्तर पर समन्वय समितियों का निर्माण करें और उनके तत्वावधान में २ से ८ अप्रेल, १९७४ तक मांग सप्ताह मनाए ।

रेल्वे के विभिन्न क्षेत्रों पर स्थित रेल्वे यूनियनें जो कि A. I. T. U C से सम्बन्धित है वे हमेशा से ही रेल्वे वर्कर्स के विभिन्न संगठनों के संयुक्त मोर्चे की समर्थक रही हैं और उनके प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया है और निर्णय किया है कि सम्मेलन के निर्णयों को सच्चे रूप में लागू करने के लिए, A I.T.U.C. में सम्बन्धित रेल्वे यूनियनों का एक सम्मेलन दिल्ली में १४-१५ मार्च, १९७४ को किया जाय और राष्ट्रीय सम्मेलन के निर्णयों को ठोस तथा संगठित रूप से लागू करने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर कदम उठाए जायें और रेलों पर संयुक्त आन्दोलन चलाने के लिए इन यूनियनों का एक अखिल भारतीय केन्द्र स्थापित किया जाये ।

दिनांक ७ मार्च १९७४

श्रीकृष्ण जनरल सेक्रेटरी नॉदर्न रेल्वे वर्कर्स यूनियन	**वेदप्रकाश सिन्हा** जनरल सेक्रेटरी नॉर्थ ईष्टर्न रेल्वे मजदूर यूनियन	**के. गोपीनाथन** जनरल सेक्रेटरी रेल्वे लेबर यूनियन, मद्रास
जे. सत्यनारायण जनरल सेक्रेटरी साउथ सेन्ट्रल रेल्वे वर्कर्स यूनियन	**राम बालकसिंह** जनरल सेक्रेटरी ईस्टर्न रेल्वे वर्कर्स यूनियन	**रामजीलाल शर्मा** जनरल सेक्रेटरी वेस्टर्न रेल्वे वर्कर्स यूनियन
जे. एम. विश्वास जनरल सेक्रेटरी नॉर्थ फ्रन्टियर रेल्वे वर्कर्स यूनियन	**आर. दक्षिणमूर्ति** जनरल सेक्रेटरी इण्टेग्रल कोच फैक्ट्री वर्कर्स यूनियन, मद्रास	**विश्वनाथ राय चौधरी** जनरल सेक्रेटरी चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स एम्लॉइज यूनियन

रेल्वे वर्कर्स की एकता – जिन्दाबाद !

राष्ट्रीय रेल मजदूर संघर्ष समन्वय समिति – जिन्दाबाद !!